



अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार



अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के ज्वलंत मुद्दों पर माननीय उप राज्यपाल ने की व्यापक बैठकें

ईंधन भंडारण क्षमता 16 दिन से बढ़ाकर 90 दिन करने का प्रस्ताव, एलपीजी परिवहन के लिए समर्पित पोत 'एमवी आइरिस' इसी माह होगा शुरू

श्री विजय पुरम, 30 सितंबर। लोक निवास, श्री विजय पुरम में आज माननीय उप राज्यपाल ने प्रशासनिक अधिकारियों, इंडियन ऑयल के अधिकारियों, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, सामाजिक एवं गैर-सरकारी संगठनों, विभिन्न संघों तथा गणमान्य नागरिकों के साथ अलग-अलग बैठकें कीं और द्वीपसमूह से जुड़े महत्वपूर्ण एवं ज्वलंत मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की।

प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के स्वास्थ्य सचिव तथा नागरिक उड्डयन सचिव ने माननीय उप राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति में सुधार से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। जी.बी. पंत अस्पताल के निरीक्षण के दौरान दिए गए निर्देशों के समयबद्ध क्रियान्वयन पर भी जोर दिया गया। इसके साथ ही नागरिक उड्डयन विभाग की आगामी सीप्लेन परियोजना की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

इंडियन ऑयल के अधिकारियों के साथ बैठक

माननीय उप राज्यपाल ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के अधिकारियों के साथ भी बैठक की। बैठक में पेट्रोल, डीजल एवं एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय एवं निर्देश दिए गए।

पेट्रोल, डीजल एवं एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ईंधन भंडारण क्षमता को वर्तमान 16 दिनों से बढ़ाकर 90 दिनों तक करने का प्रस्ताव रखा गया।

ईंधन एवं एलपीजी के परिवहन के लिए समर्पित पोत 'एमवी आइरिस' का इसी माह शुभारंभ करने का आश्वासन दिया गया।

द्वीपसमूह के पांच द्वीपों में एलपीजी की उपलब्धता एवं सुगमता बढ़ाने के लिए कार्ययोजना लागू करने के निर्देश दिए गए।

इसके अलावा, आईओसीएल के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कोष के माध्यम से विभिन्न द्वीपों में एंबुलेंस, शव वाहन तथा एमआरआई मशीन जैसी आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं एवं उपकरण उपलब्ध कराने का प्रस्ताव भी रखा गया।

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने की भेंट

भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने भी माननीय उप राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधिमंडल में भाजपा के राष्ट्रीय परिषद सदस्य एवं अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्री अजय बैरागी, पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री विशाल जॉली तथा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री अनिल तिवारी शामिल रहे।

इसके अतिरिक्त, बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश महासचिव श्री सत्या राज, जन सेना पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री वैकटराम बाबू, जनता दल (यूनाइटेड) के प्रदेश अध्यक्ष श्री सी. शाहजहान चैकू तथा आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अरुण कुमार मलिक एवं उनके प्रतिनिधिमंडल ने भी माननीय उप राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट की।

अण्डमान निकोबार टेरिटोरियल कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री जी. भास्कर तथा इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस के महासचिव श्री अबूबकर के.पी. के प्रतिनिधियों ने भी माननीय उप राज्यपाल से भेंट की।

गैर-सरकारी संगठनों एवं विभिन्न संघों के प्रतिनिधिमंडलों ने की भेंट

लोक निवास में विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों एवं संघों के प्रतिनिधिमंडलों ने भी माननीय उप राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट की। इनमें ऑल इंडिया ट्राइबल डेवलपमेंट काउंसिल,



अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह, अण्डमान तथा निकोबार विद्युत श्रमिक संघ, फिशरमैन वेलफेयर एसोसिएशन, अण्डमान तथा निकोबार शिक्षा संघ, सरकारी कर्मचारी महासंघ, फेडरेशन ऑफ अण्डमान टूरिज्म ऑर्गेनाइजेशन, लिटिल अण्डमान पंचायत समिति के प्रमुख, उत्तर व मध्य अण्डमान जिला परिषद के अध्यक्ष, तथा गोल्डन बर्ड एवं पंख गैर-सरकारी

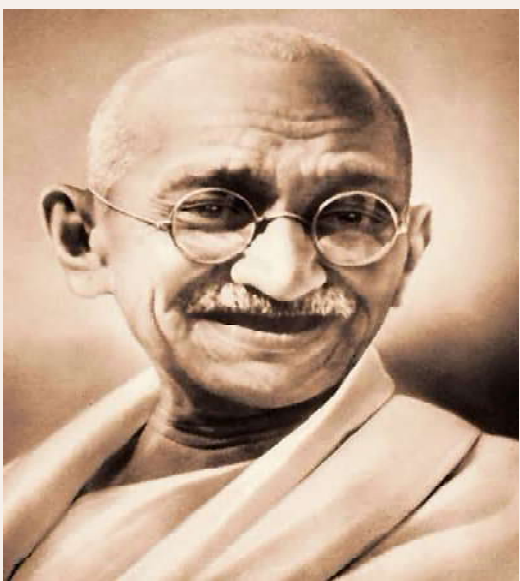
संगठनों के पदाधिकारी शामिल रहे।

गणमान्य नागरिकों ने भी की शिष्टाचार भेंट

इस अवसर पर स्वच्छ भारत मिशन के ब्रांड एंबेसडर एवं पद्मश्री से विभूषित श्री नरेश चंद्र लाल, अण्डमान निकोबार चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष डॉ. चंद्रशेखरन एवं उनके प्रतिनिधिमंडल तथा अपोलो के प्रसिद्ध यूरोलॉजिस्ट

डॉ. अविनाश दत्ता शर्मा ने भी माननीय उप राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट की।

बैठकों के दौरान द्वीपसमूह में स्वच्छता अभियान को और अधिक प्रभावी एवं व्यापक बनाने, स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने तथा औद्योगिक एवं व्यावसायिक विकास और चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।



द्वीपसमूह में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती 2 अक्टूबर को मनाई जाएगी

श्री विजय पुरम, 30 सितंबर। देश के अन्य भागों के साथ-साथ अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में भी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती 2 अक्टूबर को मनाई जाएगी। मुख्य समारोह गांधी पार्क में प्रातः 8.14 बजे आयोजित किया जाएगा। इस दौरान अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद शिक्षा विभाग के शिक्षकों व छात्रों द्वारा

प्रार्थना 'वैष्णव जन तो तेने कहिए जी' तथा रामधनु प्रस्तुत की जाएगी। इस अवसर पर दो मिनट का मौन रखा जाएगा।

उपायुक्त, दक्षिण अण्डमान से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार सभी सरकारी विभागों, संस्थानों, स्वायत्त निकायों, निगमों, पंचायत प्रधानों, स्वैच्छिक संगठनों तथा ग्रामीणों से 'स्वच्छता ही सेवा अभियान' के अंतर्गत पूरे माह श्रमदान के माध्यम से सामुदायिक परिसंपत्तियों का

निर्माण करने तथा विशेष स्वच्छता अभियान चलाने का अनुरोध किया गया है।

इसके अलावा, आम जनता से इस पावन दिवस पर पशुओं के वध, पक्षियों को मारने, मछली पकड़ने तथा मदिरा के सेवन से विरत रहने का अनुरोध किया गया है। राष्ट्रपिता के प्रति श्रद्धांजलि स्वरूप 2 अक्टूबर, 2026 को 'मद्य निषेध दिवस' के रूप में मनाया जाएगा।

शहीद द्वीप में पर्यटकों की सुविधा बढ़ाने के लिए पर्यटन विभाग ने उठाए कदम

श्री विजय पुरम, 30 सितंबर । अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा द्वारा 27 एवं 28 सितंबर को शहीद द्वीप के हालिया दौरे के दौरान दिए गए निर्देशों के अनुपालन में पर्यटन विभाग ने बेहतर परिवहन एवं बैठने की सुविधाओं के माध् यम से पर्यटकों की सुविधा बढ़ाने के लिए उपाय शुरू किए हैं।

पर्यटकों एवं यात्रियों को जेटी पर चढ़ने व उतरने के स्थान से जेटी के मुख्य द्वार तक आने-जाने में सुविधा प्रदान करने के लिए विभाग ने जेटी पर बैटरी चालित गोल्फ कार्ट उपलब्ध कराने हेतु निविदाएं आमंत्रित की हैं। प्रस्तावित सुविधा का उद्देश्य आवागमन को सुगम बनाना तथा आगंतुकों, विशेषकर बुजुर्ग यात्रियों, बच्चों वाले परिवारों और सामान लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों को अडिाक सुविधा प्रदान करना है।

सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय से प्राप्त विज्ञप्ति के



अनुसार समुद्र तटों पर सुविधाओं में सुधार की पहल के तहत शहीद द्वीप के विभिन्न समुद्र तटों पर मेज से जुड़ी बेंचों तथा अलग-अलग बेंचों सहित पर्याप्त संख्या में बेंच स्थापित की गई हैं। इन सुविधाओं का उद्देश्य पर्यटकों को आरामदायक बैठने की सुविधा प्रदान करना तथा उन्हें समुद्र तटों पर अपना समय आनंदपूर्वक बिताने में सक्षम बनाना है।

द्वीपों के तीनों सरकारी आईटीआई में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय प्रशिक्षुता मेला आयोजित

श्री विजय पुरम, 30 सितंबर ।

कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार के कौशल भारत मिशन के अंतर्गत प्रधानमंत्री राष्ट्रीय प्रशिक्षुता मेला (पीएमएनएएम) का आयोजन 18 सितंबर, 2026 को अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के तीनों सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई)—आईटीआई डॉलीगंज, श्री विजय पुरम, आईटीआई बकुलतला, मध्य अण्डमान तथा आईटीआई एरोंग (कार निकोबार) में किया गया। इसका उद्देश्य आकांक्षी युवाओं को संरचित प्रशिक्षुता एवं कार्यस्थल पर प्रशिक्षण के लिए प्रतिष्ठानों से जोड़ना था।

सरकारी आईटीआई डॉलीगंज में कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके बाद प्रह्मानाचार्य व उप प्रशिक्षुता सलाहकार श्री वेंकटेश सीएच. ने स्वागत भाषण दिया। श्रम, रोजगार एवं प्रशिक्षण सचिव श्री हेमंत कुमार, भा.प्र.से. ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई तथा उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल विकसित करने और रोजगार क्षमता बढ़ाने में प्रशिक्षुता के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। दक्षिण अण्डमान की अपर जिला मजिस्ट्रेट सुश्री प्रियंका कुमारी तथा अण्डमान चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एसीसीआई) के अध्यक्ष ने भी उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। श्रम आयुक्त एवं रोजगार एवं प्रशिक्षण निदेशक श्री के. श्रीनिवास राव ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लंबित अनिवार्य कार्य पूरे करने के लिए विशेष अभियान

श्री विजय पुरम, 30 सितंबर । भारत सरकार ने पात्र किसान परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से वर्ष 2018–19 में केंद्रीय क्षेत्र की योजना ‘प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम–किसान)’ शुरू की थी। इस योजना के अंतर्गत प्रतिवर्ष 6,000 रुपये की राशि तीन समान किस्तों में, प्रत्येक 2,000 रुपये के रूप में प्रदान की जाती है। अब तक 23 किस्तें जारी की जा चुकी हैं।

योजना के अंतर्गत कुछ अनिवार्य आवश्यकताओं को चरणबद्ध तरीके से लागू किया गया है। इनमें 12वीं किस्त से भूमि का विवरण जोड़ना, 14वीं किस्त से बैंक खाते के साथ आधार जोड़ना तथा 15वीं किस्त से ई–केवाईसी पूरा करना अनिवार्य किया गया है।

संतुष्टि अभियान, क्षेत्रीय स्तर पर चलाए गए अभियानों, सामान्य सेवा केंद्रों, जागरूकता कार्यक्रमों तथा एसएमएस के माध्यम से निरंतर प्रयासों के बावजूद कुछ लाभार्थियों के लिए अभी भी इनमें से एक या अधिक अनिवार्य कार्य लंबित हैं। इसी क्रम में, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत

सरकार ने राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों को लंबित अनिवार्य कार्यों को पूरा कराने के लिए 2 अक्टूबर, 2026 से 31 अक्टूबर, 2026 तक विशेष अभियान चलाने का एक और अवसर प्रदान किया है। इस अभियान का उद्देश्य पीएम–किसान के लाभार्थियों का सटीक एवं सत्यापित डेटाबेस सुनिश्चित करना है।

अतः ऐसे पीएम–किसान लाभार्थी, जिन्होंने अभी तक भूमि का विवरण जोड़ने, ई–केवाईसी या अपने बैंक खाते के साथ आधार जोड़ने की प्रक्रिया पूरी नहीं की है, उनसे अनुरोध किया गया है कि वे विशेष अभियान के दौरान उक्त कार्यों को पूरा कर लें।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार विशेष अभियान की अवधि समाप्त होने के बाद भी जिन किसानों के अनिवार्य कार्य लंबित रहेंगे, उन्हें निर्धारित आवेदन प्रक्रिया के माध्यम से योजना के अंतर्गत नए सिरे से आवेदन करना होगा और इसके बाद सभी अनिवार्य सत्यापन प्रक्रियाएं पूरी करनी होंगी।

सहायता के लिए लाभार्थी संबंधित क्षेत्रीय कृषि कार्यालय अथवा कृषि विभाग के निकटतम कृषि उप–केंद्रों से संपर्क कर सकते हैं।

फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, ड्रोन इमेजिंग एवं पोस्ट–प्रोडक्शन प्रशिक्षण के लिए आवेदन आमंत्रित

श्री विजय पुरम, 30 सितंबर ।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के पर्यटन निदेशालय ने राइजिंग एंड एक्सेलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस (आरएएमपी) पर्यटन हस्तक्षेप, 2026–27 के अंतर्गत फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, ड्रोन इमेजिंग, कैमरा संचालन एवं पोस्ट–प्रोडक्शन में कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए इच्छुक युवाओं से आवेदन आमंत्रित किए हैं।

इस संबंध में निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र पर्यटन निदेशालय, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के योजना अनुभाग में जमा किया जा सकता है अथवा 5 अक्टूबर, 2026 को सायं 3 बजे तक दिए गए गूगल फॉर्म <https://forms.gle/rbh3TtUGRB7x9Kebq9> के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है।

पर्यटन क्षेत्र में पाक–कला, प्रस्तुतीकरण एवं स्वच्छता कौशल उन्नयन कार्यक्रम के लिए आवेदन आमंत्रित

श्री विजय पुरम, 30 सितंबर ।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के पर्यटन निदेशालय ने राइजिंग एंड एक्सेलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस (आरएएमपी) पर्यटन हस्तक्षेप, 2026–27 के अंतर्गत पाक–कला, प्रस्तुतीकरण एवं स्वच्छता में कौशल उन्नयन कार्यक्रम के लिए इच्छुक युवाओं से आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस कार्यक्रम के लिए सीमित सीटें उपलब्ध हैं।

सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस संबंध में निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र पर्यटन निदेशालय, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के योजना अनुभाग में जमा किया जा सकता है अथवा 5 अक्टूबर, 2026 को सायं 3 बजे तक दिए गए गूगल फॉर्म <https://forms.gle/i9iruK1s5fySWEJi7> के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है।

जी.बी. पंत अस्पताल में स्वच्छता एवं अस्पताल रखरखाव संबंधी व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ किया गया

श्री विजय पुरम, 30 सितंबर ।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल के जी.बी. पंत अस्पताल, अनिम्स के दौरे के क्रम में अस्पताल में स्वच्छता, साफ–सफाई एवं समग्र रखरखाव संबंधी व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ किया गया है, ताकि स्वच्छ, स्वास्थ्यकर एवं मरीजों के अनुकूल वातावरण सुनिश्चित किया जा सके।

सुदृढ़ की गई व्यवस्थाओं के अंतर्गत अस्पताल में पहले से लागू स्वच्छता एवं अस्पताल रखरखाव संबंधी जांच–सूचियों को उन्नत एवं और प्रभावी बनाया गया है, ताकि अस्पताल के विभिन्न क्षेत्रों में साफ–सफाई, स्वच्छता, सैनिटेशन एवं सामान्य रखरखाव की व्यवस्थित निगरानी सुनिश्चित की जा सके। संशोधित जांच–सूचियों में आवश्यक रखरखाव संबंधी गतिविधियों की अधिक व्यापक एवं सुव्यवस्थित निगरानी का प्रावधान किया गया है।

इसके अलावा, स्वच्छता एवं अस्पताल रखरखाव संबंधी गतिविधिाओं की दैनिक निगरानी एवं समीक्षा के माध्यम से निगरानी व्यवस्था को और सुदृढ़ किया गया है। निर्धारित मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित करने तथा किसी भी कमी की समय पर पहचान एवं सुधार के लिए नियमित निरीक्षण किए जा रहे हैं।

जी.बी. पंत अस्पताल में मरीज़ पंजीकरण सुविधाओं को और बेहतर बनाया गया

श्री विजय पुरम, 30 सितंबर ।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल के जी.बी. पंत अस्पताल, अनिम्स के दौरे के क्रम में अस्पताल में मरीजों के पंजीकरण की व्यवस्था को और सुदृढ़ एवं सुव्यवस्थित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं। इसका उद्देश्य मरीजों को सुविधा प्रदान करने के साथ–साथ अस्पताल में मरीजों के आवागमन के समग्र प्रबंधन में सुधार करना है।

काउंटरवार व्यवस्थाएं निम्नानुसार हैं:	
काउंटर	श्रेणी / सेवा
काउंटर संख्या 1	अंतर–द्वीपीय रेफर किए गए मरीज, चिकित्सीय जांच की आवश्यकता वाले मरीज, गर्भवती महिलाएं, डायलिसिस मरीज, कीमोथेरेपी मरीज तथा ऑनलाइन पंजीकरण पूरा कर चुके मरीज ।
काउंटर संख्या 2	वरिष्ठ नागरिक, अस्पताल के कर्मचारी, दिव्यांगजन, तथा बच्चे ।
काउंटर संख्या 3	नया पंजीकरण–महिला मरीज ।
काउंटर संख्या 4	नया पंजीकरण–पुरुष मरीज ।
काउंटर संख्या 5	पुनः आगमन–पुरुष मरीज ।
काउंटर संख्या 6	पुनः आगमन–महिला मरीज ।

इसके अलावा, सभी छह पंजीकरण काउंटरों पर आमा (आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट) की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिससे मरीजों

की डिजिटल पहचान एवं पंजीकरण में सुविधा होगी तथा मरीजों के अभिलेखों और क्लारों के कुशल प्रबंधन में सहायता मिलेगी। मरीजों को सलाह दी जाती है कि वे अस्पताल आते समय अपना आमा कार्ड साथ लाएं। इससे उनके स्वास्थ्य अभिलेखों को अस्पताल

प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस) से जोड़ने में सुविधा होगी और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी तक सुगम पहुंच एवं उसके बेहतर प्रबंधन में सहायता मिलेगी।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार यह पहल अनिम्स एवं जी.बी. पंत अस्पताल द्वारा मरीज–केंद्रित स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने, सेवा दक्षता में सुधार करने और अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के लोगों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता एवं सेवा प्रदान करने की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों का हिस्सा है।

अंतरराष्ट्रीय स्टैंड–अप पैडल प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए आवेदन आमंत्रित

श्री विजय पुरम, 30 सितंबर ।

पर्यटन निदेशालय द्वारा द्वीपसमूह के पात्र अभ्यर्थियों से अंतरराष्ट्रीय स्टैंड–अप पैडल प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह कार्यक्रम इंटरनेशनल सर्फिंग एसोसिएशन (आईएसए) से संबद्ध मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय महासंघ, सर्फिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है और 8 अक्टूबर, 2026 से शुरू होगा।

कार्यक्रम के लिए योग्यता के आधार पर कुल छह अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। चयन के लिए अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के सभी क्षेत्रों के पात्र आवेदक आवेदन कर सकते हैं। कार्यक्रम के अंतर्गत द्वीपसमूह में एक माह का गहन स्टैंड–अप पैडल (एसयूपी) प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसके बाद आईएसए फ्लैट वाटर स्टैंड–अप पैडल प्रशिक्षक पाठ्यक्रम कराया जाएगा, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त योग्यता है। चयनित अभ्यर्थियों को आईएसए/आईएलएस सर्फ एवं एसयूपी प्रशिक्षक जलीय बचाव एवं सुरक्षा पाठ्यक्रम भी कराया जाएगा, जिसमें अंतरराष्ट्रीय जल सुरक्षा मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

प्रशिक्षण पूर्णतः नि:शुल्क होगा। चयनित अभ्यर्थियों के प्रशिक्षण एवं प्रमाणन संबंधी सभी शुल्क पर्यटन निदेशालय द्वारा वहन किए जाएंगे। आवेदकों की आयु 18 से 25 वर्ष के बीच होनी चाहिए तथा वे अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के निवासी

अस्पताल में पहले से मौजूद मरीजों की प्रतिक्रिया व्यवस्था स्वच्छता, सैनिटेशन एवं अस्पताल की सेवाओं के संबंध में मरीजों एवं उनके साथ आए परिवारकों से प्रतिक्रिया प्राप्त करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनी हुई है। प्राप्त प्रतिक्रियाओं की समीक्षा आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई एवं सेवा प्रदान करने की व्यवस्था में और सुधार के लिए की जाती है।

इन उपायों का उद्देश्य निरंतर स्वच्छता सुनिश्चित करना, स्वच्छता के मानकों में सुधार करना, अस्पताल के बेहतर रखरखाव तथा मरीजों की सुक्षा एवं सुविधा को बढ़ाना है।

ये पहल अनिम्स एवं जी.बी. पंत अस्पताल द्वारा अस्पताल सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार करने तथा मरीजों, उनके परिवारकों एवं अस्पताल कर्मचारियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित एवं मरीज–केंद्रित स्वास्थ्य सेवा वातावरण उपलब्ध कराने के निरंतर प्रयासों का हिस्सा हैं।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार अनिम्स एवं जी.बी. पंत अस्पताल अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के लोगों के लिए स्वच्छता, स्वास्थ्यकर वातावरण एवं अस्पताल के रखरखाव के उच्च मानकों को बनाए रखने तथा स्वास्थ्य सुविधाओं में निरंतर सुधार के लिए प्रतिबद्ध हैं।



ऑनलाइन पंजीकरण प्रणाली (ओआरएस) के लिए स्कैन करें

होने चाहिए। अभ्यर्थियों को तैराकी में दक्ष, समुद्र में सहज तथा लंबे समय तक जल आधारित गतिविधियों में भाग लेने के लिए चिकित्सकीय रूप से स्वस्थ होना चाहिए। चूंकि अंतरराष्ट्रीय योग्यताएं अंग्रेजी भाषा में प्रदान की जाएंगी, इसलिए आवेदकों को अंग्रेजी में दिए गए निर्देशों को समझने तथा लिखित मूल्यांकन पूरा करने में सक्षम होना चाहिए। अनिवार्य शारीरिक दक्षता के रूप में आवेदकों को कम से कम 25 मीटर लंबाई वाले स्विमिंग पूल में 200 मीटर की तैराकी निर्धारित समय में पांच मिनट से कम में पूरी करनी होगी।

आवेदकों को अपनी शैक्षणिक योग्यताओं, खेल संबंधी योग्यता या उपलब्धियों के प्रमाण–पत्र, यदि कोई हों, पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी द्वारा जारी चिकित्सकीय फिटनेस प्रमाण–पत्र, जिसमें लंबे समय तक जल आधारित गतिविधियों के लिए उनकी शारीरिक क्षमता प्रमाणित हो, आयु प्रमाण–पत्र तथा द्वीपसमूह में निवास का प्रमाण प्रस्तुत करते हुए अपना बायोडाटा व जीवनवृत्त संलग्न करना होगा। सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार चिकित्सकीय फिटनेस प्रमाण–पत्र के बिना प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 7 अक्टूबर, 2026 है। इच्छुक अभ्यर्थी अपने आवेदन ई–मेल आईडी diriptand@nic.in के माध्यम से पर्यटन निदेशालय को भेज सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए योजना अनुभाग से संपर्क किया जा सकता है।

मिनी मैराथन के आयोजन के दौरान मार्ग पर वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध

श्री विजय पुरम, 30 सितंबर ।

मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा प्रशासन द्वारा 10 मार्च, 2008 को जारी अधिसूचना के क्रम में यह अधिसूचित किया जाता है कि सेल्यूलर जेल, गर्ल्स स्कूल, फ्लैग वाइट, सिंक्लेयरस बे व्यू मजार, साईंस सेंटर, हॉर्नबिल नेस्ट, कार्बाईंस कोव तक के मार्ग पर 2 अक्टूबर, 2026 को

प्रातः 5:30 बजे से प्रातः 8:30 बजे तक वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध रहेगा। यह प्रतिबंध 72वें वन्यजीव सप्ताह, 2026 के आयोजन के अवसर पर आयोजित की जा रही मिनी मैराथन के सुचारु एवं सुरक्षित संचालन के लिए लगाया गया है। प्राप्त विज्ञप्ति में आम जनता से अनुरोध किया गया है कि उक्त अवधि के दौरान सहयोग करें तथा यातायात पुलिस के निर्देशानुसार वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभासी) पी. कैरल डी. सोणी

e-mail:dweepsamachar@gmail.com

कृषि विभाग—यूटीएटीएमए योजना के अंतर्गत संविदा आधार पर ब्लॉक प्रौद्योगिकी प्रबंधक (बीटीएम) और सहायक प्रौद्योगिकी प्रबंधक (एटीएम) के पदों के लिए साक्षात्कार

निकोबार ज़िला, यूटीएटीएमए के परियोजना निदेशक, आवेदन पत्रों की जांच के आधार पर चयनित निम्नलिखित उम्मीदवारों को कृषि विभाग, अण्डमान तथा निकोबार द्वीप समूह की “विस्तार सुधार के लिए राज्य विस्तार कार्यक्रमों में सहयोग” योजना के क्रियान्वयन के लिए निकोबार ज़िले के यूटीएटीएमए के अंतर्गत संविदात्मक आधार पर ब्लॉक प्रौद्योगिकी प्रबंधक (बीटीएम) और सहायक प्रौद्योगिकी प्रबंधक (एटीएम) के पदों पर नियुक्ति के लिए साक्षात्कार हेतु आमंत्रित करते हैं।

इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि ब्लॉक प्रौद्योगिकी मैनेजर (बीटीएम) और सहायक प्रौद्योगिकी प्रबंधक (एटीएम) के पदों के लिए साक्षात्कार 16 अक्टूबर, 2026 (शुक्रवार) को सुबह 10 बजे सहायक निदेशक (कृषि) के कार्यालय, परका, कार निकोबार में आयोजित किया जाएगा।

चयनित उम्मीदवारों की सूची इस प्रकार है।

1. ब्लॉक प्रौद्योगिकी प्रबंधक (बीटीएम) के पद के लिए:

क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पिता का नाम
1.	सुश्री संगीता टेटे	सुपुत्री श्री टेलेस्फोर टेटे
2.	श्री. कार्तिक	सुपुत्र श्री चिन्नेया
3.	श्री. गोविंद राव	सुपुत्र श्री जग्गा राव के पुत्र
4.	सुश्री शर्ली नेल्सन	सुपुत्री श्री नेल्सन जस्टिन
2. सहायक प्रौद्योगिकी प्रबंधक (एटीएम) के पद के लिए:		
क्र.सं.	उम्मीदवार का नाम	पिता का नाम
1.	सुश्री संगीता टेटे	सुपुत्री श्री टेलेस्फोर टेटे
2.	सुश्री शर्ली नेल्सन	सुपुत्री श्री नेल्सन जस्टिन
3.	सुश्री प्रेमिला	पत्नी श्री मधु मनु
4.	सुश्री निशा सिंह	सुपुत्री श्री अमर सिंह
5.	सुश्री ए. जयश्री	सुपुत्री स्व. ए. माधव राव
6.	श्री गोविंद राव के.	सुपुत्र श्री जग्गा राव के.

निर्देश:

- पात्र उम्मीदवारों से अनुरोध है कि वे निर्धारित तिथि और समय पर उपर्युक्त स्थान पर साक्षात्कार के लिए उपस्थित हों और अपने मूल प्रमाण पत्र/दस्तावेज़ (10वीं, 12वीं और स्नातक/स्नातकोत्तर की मार्कशीट, अनुभव प्रमाण पत्र, पहचान पत्र और सत्यापन के लिए कोई अन्य प्रासंगिक दस्तावेज़) साथ लाएं।
- मूल दस्तावेज़ प्रस्तुत करने में विफलता या निर्धारित समय पर उपस्थित न होने पर उम्मीदवारी रद्द की जा सकती है।
- उम्मीदवारों को निर्धारित समय से 30 मिनट पहले कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने की सलाह दी जाती है।
- अलग से कोई कॉल लेटर जारी नहीं किया जाएगा। इस प्रकाशन को सभी चयनित उम्मीदवारों के लिए आधिकारिक सूचना माना जाएगा।
- विभाग को आवश्यकता पड़ने पर साक्षात्कार अनुसूची में संशोधन करने का अधिकार सुरक्षित है और ऐसे किसी भी परिवर्तन की सूचना तदनुसार दी जाएगी।
- साक्षात्कार में शामिल होने के लिए कोई भी टीए/डीए स्वीकार्य नहीं होगा।

कागज़ पर मुद्रण कम करने एवं डिजिटल दस्तावेज़ीकरण को बढ़ावा देने पर कार्यशाला हुई



श्री विजय पुरम, 30 सितंबर। यहां के जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय (जेएनआरएम) के कंप्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा “स्वच्छता में सहभाग, स्वच्छ भारत विकसित भारत” पहल के अंतर्गत 30 सितंबर, 2026 को व्याख्यान दीर्घा में “कागज पर मुद्रण कम करना एवं डिजिटल दस्तावेजीकरण को बढ़ावा देना” विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम में लगभग 150 विद्यार्थियों के साथ संकाय सदस्यों एवं प्रशासनिक कर्मचारियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ जेएनआरएम के कंप्यूटर विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विनोद एन. सी. के स्वागत भाषण से हुआ। मुख्य अतिथि एवं जेएनआरएम की प्राचार्या डॉ. पर्ल देवदास ने अपने संबोधन में इस पहल की सराहना की तथा महाविद्यालय परिसर में डिजिटल दस्तावेजीकरण अपनाने और अनावश्यक रूप से कागज पर मुद्रण को कम



करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कागज की बचत, वृक्षों के संरक्षण तथा पर्यावरण की सुरक्षा के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

कंप्यूटर विज्ञान विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. मुक्ता जगदीश ने “डिजिटल एवं कागजरहित परिसर” विषय पर तकनीकी प्रस्तुति दी, जिसमें डिजिटल दस्तावेजीकरण के साधनों, कागज निर्माण की प्रक्रिया तथा इसके पर्यावरणीय प्रभाव को शामिल किया गया। इसके बाद “मुद्रण से पहले विचार करें” विषय पर संवादात्मक चर्चा आयोजित की गई, जिसमें जिम्मेदार मुद्रण व्यवहार एवं कागज संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम का समापन ६ 1न्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इसके पश्चात “हरित बनें—पृथ्वी बचाएं” पहल के अंतर्गत वृक्षारोपण गतिविधि आयोजित की गई।

इग्नू सत्रांत परीक्षा दिसंबर 2026 के लिए ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म जमा करने की तिथि बढ़ी

श्री विजय पुरम, 30 सितंबर। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) की दिसंबर, 2026 की ओडीएल और ऑनलाइन कार्यक्रम (पेन-पेपर और सीबीटी मोड) की सत्रांत परीक्षाएँ 25 नवंबर, 2026 से शुरू होंगी। पात्र छात्रों द्वारा दिसंबर, 2026 की सत्रांत परीक्षा के लिए परीक्षा फॉर्म जमा करने हेतु ऑनलाइन लिंक खुला है। परीक्षा फॉर्म समर्थ प्लेटफॉर्म पर छात्र पोर्टल के माध्यम से जमा किए जाएंगे। छात्रों को <https://exam.ignou.ac.in> पर अपने छात्र खाते में लॉगइन करना होगा। यदि आप छात्र पोर्टल पर पहले ही पंजीकृत हैं, तो आप परीक्षा फॉर्म जमा करने के लिए लॉगइन कर सकते हैं। यदि आपने पंजीकरण नहीं कराया है, तो आपको सबसे पहले पोर्टल पर “नया पंजीकरण” पर क्लिक करके और निर्देशों का पालन करके पंजीकरण करना होगा। परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 7 अक्टूबर, 2026 (बिना विलंब शुल्क के) और 8 अक्टूबर,

2026 से 15 अक्टूबर, 2026 (1,100 रुपए विलंब शुल्क के साथ) है। छात्रों को दिसंबर, 2026 सत्रांत परीक्षा के लिए परीक्षा फॉर्म जमा करने से पहले इग्नू की वेबसाइट पर अपना परिणाम देखना होगा। एकबार भुगतान की गई फीस किसी भी स्थिति में वापस नहीं की जाएगी। परीक्षा केंद्र बदलने के किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा। एक बार चुने गए पाठ्यक्रम को परीक्षा फॉर्म जमा करने के बाद नहीं बदला जाएगा।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार छात्रों को अपना परीक्षा फॉर्म जमा करने से पहले समर्थ पोर्टल पर प्रकाशित विस्तृत निर्देशों को पढ़ना आवश्यक है। परीक्षा फॉर्म भरने के संबंध में किसी भी प्रश्न के लिए, वीआईपी रोड, एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स के सामने, श्री विजय पुरम स्थित इग्नू क्षेत्रीय केंद्र से या फोन 03192-242888, 03192-230111 या ईमेल reportblair@ignou.ac.in से संपर्क करें।

बी.एड. गणित पाठ्यक्रम की एक रिक्त सीट के लिए काउंसलिंग 3 अक्टूबर को

श्री विजय पुरम, 30 सितंबर। नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंस्टीट्यूट ऑफ हायर लर्निंग (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), श्री विजय पुरम के संघटक महाविद्यालय टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय में दो वर्षीय बी.एड. डिग्री कार्यक्रम के गणित विषय में श्रेणी-3(ए)-प्री-42 के अंतर्गत एक सीट रिक्त हुई है।

उक्त रिक्त सीट पर प्रवेश के लिए काउंसलिंग 3 अक्टूबर को प्रातः 9.30 बजे टीजीसीई की सेमिनार गैलरी में आयोजित

की जाएगी। इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने के इच्छुक सभी पात्र अभ्यर्थियों से अनुरोध किया गया है कि वे उपर्युक्त तिथि एवं समय पर काउंसलिंग में उपस्थित हों।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार चयनित अभ्यर्थी को प्रवेश के दिन सभी मूल प्रमाण-पत्रों के साथ सभी मूल प्रमाण-पत्रों की एक-एक छायाप्रति का सेट तथा निध र्धारित शुल्क जमा करना होगा। ऐसा न करने पर अभ्यर्थी को प्रवेश के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

दक्षिण अण्डमान में जंगली मधुमक्खी पालन पर हरित कौशल विकास कार्यक्रम का प्रशिक्षण संपन्न



श्री विजय पुरम, 30 सितंबर। “मधुमक्खी पालक (जंगली मधुमक्खी)—गैर—काष्ठ वन उपज (एनटीएफपी)” विषय पर हरित कौशल विकास कार्यक्रम (जीएसडीपी) प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम का समापन समारोह 28 सितंबर, 2026 को दक्षिण अण्डमान के सीपीघाट स्थित आईसीएआर—कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) में आयोजित किया गया।

यह कार्यक्रम पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से चेन्नई स्थित सी.पी. आर. पर्यावरण शिक्षा केंद्र (सीपीआरईसी)—ईआईएसपी कार्यक्रम केंद्र—संसाधन भागीदार (आरपी) द्वारा आईसीएआर—कृषि विज्ञान केंद्र, दक्षिण अण्डमान के सहयोग से आयोजित किया गया। प्रशिक्षण 20 अगस्त से 28 सितंबर, 2026 तक आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य जंगली मधुमक्खियों की पहचान, कॉलोनी प्रबंधन, सुरक्षित मधुमक्खी प्रबंधन, मधुमक्खी वनस्पति, पुष्प कैलेंडर तैयार करना, टिकाऊ तरीके से मधु संग्रहण, परागण, शहद एवं मधुमोम तथा मधुमक्खी पालन आधारित आजीविका के अवसरों के संबंध में ज्ञान एवं व्यावहारिक कौशल विकसित करना था। प्रशिक्षण में कक्षा सत्रों, व्यावहारिक प्रदर्शन, क्षेत्रीय अवलोकन, तकनीकी व्याख्यान तथा मधुमक्खी पालन संबंधी गतिविधियों का प्रत्यक्ष अनुभव शामिल था। प्रशिक्षुओं को जंगली मधुमक्खियों की पहचान, कॉलोनी की संरचना एवं प्रबंधन, मधुमक्खियों को संभालने, जंगली मधुमक्खी कॉलोनियों को पकड़कर मधुमक्खी बक्सों में स्थानांतरित करने, छत्तों की स्थापना, मधुमक्खी पालन उपकरणों की

पहचान एवं उपयोग, शहद संग्रहण तथा टिकाऊ मधुमक्खी पालन की विधियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

समापन समारोह में आईसीएआर—सीआईएआरआई, श्री विजय पुरम के निदेशक डॉ. जय सुंदर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने प्रशिक्षुओं को प्रमाणपत्र तथा टिकाऊ आजीविका गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए स्वयं सहायता समूह को मधुमक्खी पालन संबंधी उपकरण एवं सामग्री वितरित की। आईसीएआर—कृषि विज्ञान केंद्र, सीपीघाट के प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. वार्ड. रामा कृष्णा, वनत्र मंत्रालय के सहायक निदेशक (हरतशिल्प) श्री कुमारवेलु, बिड़नाबाद पंचायत समिति की श्रीमती पचौयम्मा तथा आईसीएआर—कृषि विज्ञान केंद्र, सीपीघाट के विषय विशेषज्ञ श्री जकरिया जॉर्ज ने भी कार्यक्रम में भाग लिया और प्रशिक्षुओं एवं प्रतिभागियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में प्रशिक्षुओं द्वारा अनुभव साझा करना, अतिथियों का सम्मान, प्रशिक्षुओं को प्रमाणपत्रों का वितरण तथा टिकाऊ आजीविका गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए कृष्णा तुलसी स्वयं सहायता समूह को मधुमक्खी पालन संबंधी उपकरण एवं सामग्री का वितरण शामिल था।

प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि प्रशिक्षुओं को प्रोत्साहित किया गया कि वे प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान एवं व्यावहारिक कौशल का उपयोग अपने समुदायों में जिम्मेदार मधुमक्खी पालन एवं आजीविका संबंधी गतिविधि यों को बढ़ावा देने के लिए करें। कार्यक्रम का समापन परियोजना अधिकारी श्री ए. गोपाल के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

जेएनआरएम में विश्व अनुवाद दिवस मनाया गया



श्री विजय पुरम, 30 सितंबर। यहां के जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय (जेएनआरएम) के तमिल विभाग द्वारा बुधवार को व्याख्यान दीर्घा में शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित कर विश्व अनुवाद दिवस-2026 मनाया गया। तमिल विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आर. पी. पलानीसामी ने स्वागत भाषण दिया और भाषायी एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में अनुवाद की भूमिका पर प्रकाश डाला।

जेएनआरएम की प्राचार्या डॉ. पर्ल देवदास ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की तथा अध्यक्षीय संबोधन दिया। उन्होंने तमिल विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. तमिल भारथन टी. के. द्वारा रचित ई-पुस्तक ‘मोझिपेरप्पात्रुपडे’ का विमोचन किया और इसकी प्रति सह-प्राध्यापक डॉ. के. राजमोहन

को प्रदान की। उन्होंने भारतीय साहित्यिक परंपराओं और वैश्विक बौद्धिक विमर्श के बीच सेतु के रूप में अनुवाद के महत्व पर बल दिया तथा भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार द्वारा की जा रही पहलों को रेखांकित किया। प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि हिंदी विभाग की सह-प्राध्यापक डॉ. एन. लक्ष्मी ने तमिल-हिंदी अनुवाद विषय पर विचार व्यक्त किए। तमिल विभाग के अतिथि संकाय सदस्य डॉ. जे. तिरुपति ने अनुवाद एवं भाषायी प्रामाणिकता पर चर्चा की, जबकि तेलुगु विभाग के अतिथि संकाय सदस्य डॉ. रमेश पुलिवार्थी ने तेलुगु अनुवाद तथा भारतीय भाषाओं के बीच भाषायी संबंधों पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम का समापन संवादात्मक चर्चा एवं ६ 1न्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

लापता व्यक्ति की तलाश हेतु आमजन से सहयोग की अपील

श्री विजय पुरम, 30 सितंबर। ग्राम नयाबस्ती, बंबूफ्लाट निवासी श्री महालाल मुर्मू की पत्नी श्रीमती निर्मला मरांडी ने 15 सितंबर, 2026 को थाना पहाड़गांव में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनके पति लापता हैं। इस संबंध में थाना पहाड़गांव में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, दिनांक 13 सितंबर, 2026 को लगभग शाम 7 बजे श्रीमती निर्मला मरांडी अपने पति श्री महालाल मुर्मू के साथ कुछ धार्मिक अनुष्ठान करने के लिए ब्रिजगंज स्थित काली मंदिर गई थीं। मंदिर में पूजा-अनुष्ठान के दौरान उनके पति लापता हो गए और इसके बाद उनका कोई पता नहीं चल सका।

लापता व्यक्ति का हुलिया नाम श्री महालाल मुर्मू आयु लगभग 37 वर्ष, कद लगभग 5 फीट 5 इंच, रंग सांवला, चेहरा अंडाकार, बाल काले एवं सफेद, लापता होने के समय पहने हुए कपड़े ग्रे एवं नीले रंग की हाफ पैट तथा हरे रंग की आधी बाँह वाली कमीज, अन्य जानकारी कथित रूप से मानसिक रूप से अस्वस्थ है। प्राप्त विज्ञप्ति में आम जनता से अनुरोध किया गया है कि श्री महालाल मुर्मू के ठिकाने अथवा उनके संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी मिलने पर निकटतम पुलिस थाना या पुलिस अधिकारियों को सूचित करें। इसके लिए 03192-250525, 03192-236641 एवं 112 पर संपर्क किया जा सकता है।











राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस

1st अक्टूबर 2026

"मानवता की एक बूँद। रक्तदान करें। जीवन बचाएँ।"



For more information, Scan the QR Code to Visit e-Raksh Portal

अंडमान एवं निकोबार एड्स नियंत्रण सोसाईटी / राज्य रक्त आधान परिषद



Call our Toll Free Helpline 1097

BREAKFREE

मैल की ओर दिखित नकार

www.breakfreeindia.org

Scan QR Code to follow us on

Andaman Sacs

@andamansacs



नई दिल्ली, 30 सितम्बर। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में इंसान शारीरिक से ज्यादा मानसिक रूप से थका हुआ नजर आता है। ऐसे में योग जीवन को संतुलन बनाने में मदद करता है। योग में कुछ ऐसी मुद्राएं हैं, जिनका प्रभाव बेहद गहरा होता है। इन्हीं में से एक है सुखासन में पद्म मुद्रा, जिसे कमल मुद्रा के नाम से भी जाना जाता है। यह मुद्रा शरीर को स्थिरता देती है। पद्म मुद्रा का नाम संस्कृत शब्द 'पद्म' से लिया गया है, जिसका अर्थ है कमल। जब इस मुद्रा को सुखासन में बैठकर किया जाता है, तो शरीर स्वाभाविक रूप से स्थिर रहता है और ध्यान भीतर की ओर केंद्रित हो जाता है। सुखासन में पद्म मुद्रा करने से शरीर में ऊर्जा का संचार बढ़ता है। यह मुद्रा सीधे तौर पर हृदय चक्र से जुड़ी मानी जाती है। जो भावनात्मक दबाव, डर या नकारात्मक सोच जैसी समस्या से जूझ रहा हो, उनके लिए यह मुद्रा बेहद लाभकारी मानी जाती है। नियमित अभ्यास से भावनात्मक संतुलन बेहतर होता है और मन हल्का महसूस करता है। मानसिक स्वास्थ्य के लिहाज से भी सुखासन पद्म मुद्रा को बेहद प्रभावशाली माना जाता है। यह मुद्रा गहरी और शांत श्वास को प्रोत्साहित करती है, जिससे नर्वस सिस्टम शांत होता है। तनाव और चिंता की स्थिति में यह मुद्रा मन को स्थिर करने में मदद करती है। यह अभ्यास धीरे-धीरे अवसाद और बेचैनी जैसी समस्याओं को कम करता है। पद्म मुद्रा करते समय शरीर पैरासिम्पेथेटिक नर्वस सिस्टम की ओर सक्रिय होता है, जिससे पाचन क्रिया बेहतर होती है। जिन लोगों को एसिडिटी, अपच या पेट से जुड़ी समस्याएं रहती हैं, उन्हें नियमित अभ्यास से राहत मिल सकती है। इसके अलावा, यह मुद्रा शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह संतुलित करती है, जिससे थकान कम होती है और ऊर्जा का स्तर बेहतर बना रहता है। पद्म मुद्रा के नियमित अभ्यास से न केवल मन शांत होता है, बल्कि सोच धीरे-धीरे सकारात्मक और जीवन संतुलित होने लगता है।

स्पेस में नहीं होती ग्रैविटी तो अपना सामान कैसे रखते हैं एस्ट्रोनॉट्स, कितनी होती है दिक्कत?

नई दिल्ली, 30 सितम्बर। जब कोई सामान्य तौर पर कहीं भी जाता है तो अपना कुछ सामान जरूर लेकर जाता है, यदि हम कुछ भूल भी जाते हैं तो आसपास किसी दुकान से खरीद लेते हैं। ऐसे में जब बात स्पेस की हो तो वहां इंसानों के लिए कुछ नहीं मिलता, ऐसे में आम दिनचर्या का कुछ सामान एस्ट्रोनॉट्स को यहीं से लेकर जाना होता है, लेकिन अब कई लोगों के मन में स्पेस को लेकर कई सवाल होते हैं। उन्हीं में से एक ये भी है कि यदि कोई स्पेस में जाता है तो वहां क्या लेकर जाता होगा? या फिर वहां सामान रखा कैसे जाता होगा? क्योंकि स्पेस में ग्रेविटी तो है नहीं?



में नहाना भी धरती की तरह संभव नहीं हैं। हां, महिला यात्रियों को सैनेटरी पैड की जरूरत जरूर होती है जो वो अपने साथ ले जाती हैं। इसकी वजह अंतरिक्ष में टॉयलेट का उपयोग पृथ्वी की तरह संभव नहीं हो पाना है।

अंतरिक्ष यात्री बेहद जरूरी दो चीजें जरूर अपने साथ लेकर जाते हैं। जो व्यक्तिगत रूप से बेहद जरूरी होती हैं। बता दें अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में अपने साथ खास तरह का दूधबुश लेकर जाते हैं। वे पृथ्वी की तरह पानी का उपयोग करते हुए दांत साफ नहीं कर सकते हैं। इसलिए ये एक खास इलेक्ट्रिक दूधबुश होता है। इसके अलावा एक जरूरी चीज तो यात्री वहां ले जाते हैं वो है अपने मोजे, अंतरिक्ष में जूतों का महत्व नहीं है, लेकिन मोजे जरूरी होते हैं।

एआई की ताकत... कैसे टेलीकॉम कंपनियां भारत में साइबर धोखाधड़ी से निपट रही हैं?

नई दिल्ली, 30 सितम्बर। आजकल लगभग हर क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रभाव दिखाई दे रहा है और अब ये हमारे रोजमर्रा के जीवन का हिस्सा बन चुका है। स्मार्टफोन से लेकर स्मार्ट सिटीज़ तक, एआई हर जगह मौजूद है। जहां एआई के बारे में अक्सर उसके नकारात्मक प्रभावों और जोखिमों की चर्चा होती है, वहीं इस बार हम आपको बताएंगे कि कैसे एआई हमारे जीवन को आसान और सुरक्षित बना रहा है। भारत की प्रमुख टेलीकॉम कंपनियां एआई का उपयोग करके साइबर धोखाधड़ी, स्पैम कॉल्स, फर्जी संदेशों और ऑनलाइन धोखाधड़ी से निपटने के लिए प्रयास कर रही हैं। आजकल एआई केवल एक तकनीकी उन्नति नहीं, बल्कि ये साइबर अपराधों से लड़ने का एक सशक्त माध्यम भी बन चुका है। एआई टूल्स के साथ, साइबर अपराधियों ने भी नई और क्रिएटिव तकनीकों का सहारा लेना शुरू कर दिया है। फर्जी कॉल्स, एआई-आधारित वॉयस क्लोनिंग ऐप्स का उपयोग करके लोगों की पहचान चुराना और उनके बचत को लूटना अब आम बात हो गई है। इन बढ़ते खतरों के बीच, भारत की प्रमुख टेलीकॉम कंपनियां जैसे एयरटेल और वोडाफोन-आइडिया ने एआई-आधारित सिस्टम्स को अपनाकर यूजर्स की सुरक्षा सुनिश्चित की है। वोडाफोन-आइडिया ने एआई और मशीन लर्निंग का इस्तेमाल करके एक स्पैम एसएमएस समाधान लॉन्च किया है, जो वास्तविक समय में संभावित खतरों का पता लगाकर यूजर्स की सुरक्षा करता है। इस प्रणाली का उद्देश्य यूजर्स को सुरक्षित डिजिटल संचार सुनिश्चित करना है। वीआई के प्रवक्ता ने कहा कि टप का स्पैम एसएमएस समाधान एआई और मशीन लर्निंग का इस्तेमाल करके संभावित खतरों का सक्रिय रूप से पता लगाता है और उन्हें वास्तविक समय में फ्लैग करता है, जिससे ग्राहकों का अनुभव बेहतर होता है और सुरक्षित डिजिटल संचार सुनिश्चित होता है। वोडाफोन-आइडिया का ये सिस्टम लाखों एसएमएस संदेशों पर प्रशिक्षित किया गया है, ताकि



ये झूठे लिंक, स्पैम प्रमोशन और व्यक्तिगत जानकारी चुराने वाले संदेशों को पहचान सके। इस सिस्टम ने अब तक 250 मिलियन से ज्यादा संदेशों को लैग किया है और यूजर्स को संभावित धोखाधड़ी और फिशिंग से बचाया है।

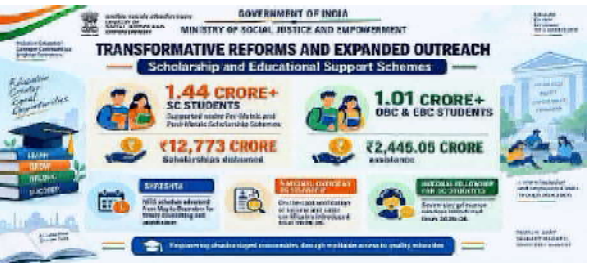
इसी तरह, भारती एयरटेल ने भी एआई-आधारित स्पैम डिटेक्शन समाधान शुरू किया है, जिसने महज ढाई महीने में 8 बिलियन स्पैम कॉल्स और 0.8 बिलियन स्पैम एसएमएस को पहचान लिया। एयरटेल के नेटवर्क ने इस एल्गोरिदम का इस्तेमाल करते हुए हर दिन करीब एक मिलियन स्पैमर्स की पहचान की। एयरटेल इंडिया के अनुसार, कंपनी ने करीब 252 मिलियन ग्राहकों को इन संदिग्ध कॉल्स के बारे में सतर्क किया और बाद में इन कॉल्स को उठाने वाले यूजर्स की संख्या में 12 प्रतिशत की कमी आई। टेलीकॉम कंपनियों द्वारा एआई के इस्तेमाल पर वरिष्ठ टेक विशेषज्ञ प्रभु राम ने कहा कि एआई की मदद से टेलीकॉम कंपनियां अपने साइबर सुरक्षा उपायों को मजबूत कर सकती हैं, क्योंकि ये तेजी से विसंगतियों का पता लगाने और उभरते खतरों का स्वचालित रूप से जवाब देने में मदद करता है।

केवल टेलीकॉम कंपनियां ही नहीं, बल्कि भारतीय टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी और डिपार्टमेंट ऑफ टेलीकॉम भी एआई का इस्तेमाल कर रहे हैं ताकि मोबाइल यूजर्स को साइबर धोखाधड़ी से बचाया जा सके।

छात्रवृत्ति योजनाओं का विस्तार, अनुसूचित जाति के 1.44 करोड़ से अधिक छात्रों को मिला लाभ

नई दिल्ली, 30 सितम्बर।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग ने अनुसूचित जाति (अजा), अन्य पिछड़ा वर्ग (अपिव) और आर्थिक पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति और शैक्षिक सहायता योजनाओं का विस्तार करने के साथ प्रक्रियाओं में कई सुधार किए हैं। मैट्रिक-पूर्व और मैट्रिक-पश्चात छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत 1.44 करोड़ से अधिक अनुसूचित जाति के छात्रों को 12,773 करोड़ रुपए की सहायता दी गई है, जबकि अपिव और ईबीसी के 1.01 करोड़ से अधिक छात्रों को 2,445.05 करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति मिली है। मंत्रालय के अनुसार, इन पहलों का उद्देश्य वंचित समुदायों के छात्रों के लिए शिक्षा तक पहुंच को मजबूत करना और वित्तीय बाधाओं को कम करना है। साथ ही, योजनाओं के क्रियान्वयन को अधिक समयबद्ध, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने पर भी जोर दिया गया है। मैट्रिक-पूर्व और मैट्रिक-पश्चात छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत अपिव और ईबीसी समुदायों के 1.01 करोड़ से अधिक छात्रों को 2,445.05 करोड़ रुपए की सहायता मिली है। मंत्रालय ने इसे समावेशी शिक्षा और वंचित पृष्ठभूमि के छात्रों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। लक्षित क्षेत्र उच्च विद्यालय छात्र आवासीय शिक्षा योजना (श्रेष्ठ) के तहत श्रेष्ठ (छम्पे) परीक्षा कार्यक्रम को मई से दिसंबर तक आगे बढ़ाया गया है। इसका उद्देश्य समय पर काउंसलिंग और प्रवेश की सुविधा उपलब्ध कराना, प्रक्रिया को शैक्षणिक कैलेंडर के अनुरूप बनाना और देरी तथा बीच में पढ़ाई छोड़ने की समस्या को कम करना है। संशोधित कार्यक्रम से पात्र छात्रों को निर्धारित शैक्षणिक चक्र के भीतर प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने और बिना व्यवधान के अपनी पढ़ाई शुरू करने में मदद मिलेगी। इससे छात्रों को समय पर संस्थानों में दाखिला मिलने की उम्मीद है। दस्तावेजों की प्रामाणिकता सुनिश्चित करने और



धोखाधड़ी वाले दावों को रोकने के लिए शैक्षणिक वर्ष 2024-25 से राष्ट्रीय प्रवासी छात्रवृत्ति योजना में आय और जाति प्रमाण पत्रों के ऑन-द-स्पॉट सत्यापन की व्यवस्था शुरू की गई है। इसमें संबंधित जारी करने वाले अधिकारियों से प्रमाण पत्रों का सत्यापन किया जाता है। मंत्रालय के अनुसार, यह व्यवस्था चयन प्रक्रिया की निष्पक्षता सुनिश्चित करने में मदद करेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक वास्तविक तथा पात्र उम्मीदवारों को ही छात्रवृत्ति का लाभ मिले। अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए राष्ट्रीय फेलोशिप योजना के तहत शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से यूजीसी-नेट और संयुक्त सीएसआईआर-यूजीसी नेट के परिणाम घोषित होने के बाद सात दिनों की अनिवार्य शिकायत विंडो शुरू की गई है। निर्धारित शिकायत विंडो छात्रों को तय समयसीमा के भीतर किसी भी विसंगति की जानकारी देने का अवसर देती है। इससे शिकायतों के समय पर समाधान, जवाबदेही और फेलोशिप चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ाने में मदद मिलेगी। मंत्रालय ने कहा कि विस्तारित वित्तीय सहायता और प्रक्रिया आधारित सुधारों के माध्यम से अधिक समावेशी, कुशल और छात्र-केंद्रित शैक्षिक सहायता तंत्र तैयार किया जा रहा है। इन उपायों का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शैक्षणिक उन्नयन के अवसरों तक समान पहुंच के जरिए वंचित समुदायों को सशक्त बनाना है। (इनपुट: पीआईबी)

क्या होता है 'फ्राइड राइस सिंड्रोम', शरीर के किस हिस्से को करता है प्रभावित, जानिए लक्षण और बचाव

नई दिल्ली, 30 सितम्बर।

कहते हैं अच्छी सेहत का रास्ता अच्छे खाने से होकर जाता है हम क्या खा रहे हैं और वह कितना स्वच्छ और सेहत के लिए अच्छा है यह बहुत जरूरी है। अक्सर नौकरी और पढ़ाई के चलते लोग घर का खाना नहीं खा पाते हैं और फिर बाहर का खाना खाते हैं। कई बार खाने में क्वालिटी मिल जाती है तो वहीं पर कई बार खाने का बुरा असर सेहत पर पड़ जाता है। ऐसे ही एक बीमारी 'फ्राइड राइस सिंड्रोम' इन दिनों चर्चा में है जिसे फूड पॉइजनिंग का एक प्रकार कहते हैं। चलिए इसे अच्छी तरह समझते हैं..

इस सिंड्रोम को लेकर क्लीवलैंड क्लिनिक के अनुसार, यह सिंड्रोम एक तरह से फूड पॉइजनिंग है जो बैसिलस सेरेस (बी. सेरेस) नामक बैक्टीरिया के कारण पनपता है। जो इतना सूक्ष्म होता है कि, चावल और पास्ता जैसे स्टार्च रिच फूड आइटम्स में समाया होता है। यहां एक तरह से बैक्टीरिया को पनपने के लिए समय और सही तापमान के कॉम्बिनेशन की आवश्यकता होती है। इस बैक्टीरिया के वजह से इंसान के शरीर का अंग पेट प्रभावित होता है।

इस बीमारी को समझने के बाद अगर इसके लक्षण की बात करें तो, इसके लक्षण व्यक्ति में इस तरह से देखने के लिए मिलते हैं जो प्रभावित करते हैं- दस्त, बुखार, उल्टी करना, जी मिचलाना, पेट में दर्द और ऐंठन ऐसे करें इस सिंड्रोम से बचाव



अगर किसी व्यक्ति के शरीर में इस प्रकार के लक्षण देखने के लिए मिलते हैं तो इन तरीकों को ध्यान में रखते हुए बचाव करना चाहिए।

- 1- खाना बनाने से लेकर खाने को छूने या बनाने से पहले आपके हाथ को साबुन से साफ जरूर करें।
- 2- अगर कच्चे चावल और पास्ता को पकाया ना जाए उससे पहले बनाने वाली जगह पर नहीं लाएं, इसे आप ढंडी या सूखी जगह पर रख दें।
- 3- अगर खाने के बाद भोजन बच गया है तो इसे बाहर खुले में नहीं रहने दे इसे किसी डिब्बे या कंटेनर में भरकर रख दें।
- 4- राइस या पास्ता को पकाने के लिए उबले पानी या कुकर में बनाने रखें।
- 5- अगर आपके यहां पर भोजन दो दिन या उससे समय का हो जाए तो उसे बाहर डिस्पोज कर दें।